शास्त्री / विशिष्ट शास्त्री द्वितीय वर्ष (Oldangeed)

प्रथम पत्र : व्याकरण (O.S.)

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

व्याकरण : सिद्धान्त कौमुदी भट्टोजिदीक्षित कृत के निम्नांकित प्रकरण:

क	गणपाठ	40 (50) अंक
ख	प्रकियाभाग	25 (30) अंक
ग	वैदिक प्रकियाएं	15 (20) अंक

पाठ्य–विषय तथा अंक–विभाजन

क	गणपाठ –	1 रूप सिद्धियाँ	20 (25) अंक
		2 सूत्र व्याख्या	12 (15) अंक
		3 रूपावली	8 (10) अंक
ख	प्रकियाभाग	1 रूप सिद्धियाँ	15 (20) अंक
		2 सूत्र व्याख्या	10 (10) अंक
ग	वैदिक प्रकियाएं	10 में से 5 रूप सिद्धियाँ	15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जाये

द्वितीय पत्र : साहित्य और काव्यनाटक

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	कादम्बरी : कथामुख	25(30) अंक
2	शिशुपालवधः 1 और 2 सर्ग	15(20) अंक
3	उत्तररामचरितम्	25(30) अंक
4	अनुवाद हिन्दी से संस्कृत में	15(20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जाये

तृतीय पत्र : वेद और निरूक्त

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

क	ऋग्वेद I–85, 154 ; II -59,IV-51,V-83,VI-53, VII-49,54,86,103,X-34,90,121,125, 127,168	40 (50)	अंक
ख	1– निरूक्त : अध्याय 1,2 और 7	25 (30)	अंक
	2– वैदिक साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त रूपरेखा	15 (20)	अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

चतुर्थ पत्र : विशेषाध्ययन

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

क	वेद : निरूक्त, व्याकरण, आरण्यक तथा उपनिषद्		
	1– निरूक्त : अध्याय 3,4,5 तथा 6	20 (25)	अंक
	2– वैदिक व्याकरण	20 (25)	अंक
	3– तैतिरीय आरण्यक : आरण्यक–2	20 (25)	अंक
	4– उपनिषद् : मुण्डक तथा प्रश्न	20 (25)	अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

ख दर्शन :

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

1–	सांख्यकारिका – ईश्वर कृष्णकृत । गोडपाद भाष्यसहित	40 (50)	अंक
2–	योगसार संग्रह–विज्ञानभिक्षु	40 (50)	अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

ग ज्योतिष (O.S.)

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1– सिद्धान्त तथा फलित ज्योतिष — 40 (50) अंक
2– ताजिकनीलकण्ठी । प्रथम तन्त्र — 40 (50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश हैं कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

घ धर्मशास्त्र तथा अर्थशास्त्र (O.S.)

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1– मनुस्मृति अध्याय 2–7 — 25 (30) अंक
2– याज्ञवल्क्यस्मृति आचाराध्याय — 25 (30) अंक
3– निर्णयसिन्धु–परिच्छेद 3 — 15 (20) अंक
4– भास्कर गृह्यसूत्र – केवल अधालिखित प्रकरण
विवाह विधि, नामकरण, उपनयन, पंचमहायज्ञविधि — 15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

पंचम पत्र : अंग्रेजी

पाठ्यक्रम– हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0 द्वितीय वर्ष के अंग्रेजी विषय के समान

षष्ठ पत्र : अतिरिक्त ऐच्छिक

विषय : हिन्दी, इतिहास, अथवा राजनीति शास्त्र ।

पाठ्यक्रम : हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0 द्वितीय वर्ष के हिन्दी / इतिहास अथवा राजनीति शास्त्र के समान ।

शास्त्री / विशिष्ट शास्त्री तृतीय वर्ष

प्रथम पत्र : व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

व्याकरण : सिद्धान्त (भट्टोजिदीक्षित कृत) के निम्न प्रकरण

क : कृदन्त — 25 (30) अंक
ख : उणादि प्रकरण — 25 (30) अंक
ग : तद्धित प्रकरण — 30 (40) अंक

अंक विभाजन तथा निर्देश

क	1	कृदन्त : 10 में से 5 रूपों की सिद्धियाँ	15 (20) अंक
	2	4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	10 (10) अंक
ख	1	उणादि : 10 में से 5 रूपों की सिद्धियाँ	15 (20) अंक
	2	4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	10 (10) अंक
ग	1	तद्धित : 10 में से 5 रूपों की सिद्धियाँ	20 (25) अंक
	2	4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	10 (15) अंक